चक्रवाती तूफान ''बिपरजॉय'' शुक्रवार दोपहर बाद राजस्थान में प्रवेश करेगा। तूफान आने से 36 घंटे पहले ही इसका असर प्रदेश के कई इलाकों में दिखने लगा है। गुरूवार को राजधानी जयपुर समेत कई जिलों में बारिश हुई, वहीं कुछ जगहों पर बादल छाए रहे। मौसम विभाग का कहना है कि, प्रदेश में तूफान कुछ कमजोर होकर (डीप डिप्रेशन में बदलकर) प्रवेश करेगा। इसका असर 19 जून तक बना रहेगा तथा सर्वाधिक असर 17 जून को रहने के आसार हैं। उत्तरी राजस्थान के श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू व आस-पास के कुछ जिलों में तूफान का असर अपेक्षाकृत कम रहेगा। वहीं ज्यादातर जिलों में अलग-अलग समय पर तूफान का असर रहेगा। जोधपुर, जालौर, बाड़मेर व पाली में तूफान का सर्वाधिक असर रहने की आशंका है। वहीं राज्य सरकार ने आपदा राहत के लिए टीमें तैनात कर दी हैं।

बंगाल में चुनाव आते ही फिर खूनी दौर शुरु !

बंगाल में पंचायत चुनाव नामांकन के आखिरी दिन चार लोगों की गोली मारकर सरेआम हत्या

- **कोलकाता हाई कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताते हुये राज्य में पुलिस बलों को हटाकर तुरंत केन्द्रीय सुरक्षाबलों की तैनाती के आदेश दिये**
- **प. बंगाल के माकपा सचिव सलीम मोहम्मद ने आरोप लगाया कि, तृणमूल कांग्रेस के गुण्डों ने हमारी पार्टी के एक उम्मीदवार के साथ नामांकन दाखिल करने जा रहे तीन कार्यकर्ताओं को गोली मार दी।**

कोलकाता, 15 जून। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के आखिरी दिन गुरुवार को राज्य के कुछ जिलों में हिंसा अपने चरम पर पहुंच गई, जिसमें कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। इसके बाद कोलकाता हाई कोर्ट ने चुनाव खत्म होने तक पूरे राज्य में केंद्रीय सुरक्षाबलों की तैनाती का आदेश दिया है।

राज्य चुनाव आयोग (एस.ई.सी.) पर कड़ी टिप्पणी करते हुए, मुख्य न्यायाधीश टी.एस. शिवगणनम और न्यायमूर्ति उदय कुमार की खंडपीठ ने 48 घंटे के भीतर केंद्र से अर्धसैनिक बल बटालियन मांगने और उन्हें राज्य के हर हिस्से में तैनात करने को कहा, न कि, केवल उन सात जिलों को जिन्हें पहले संवेदनशील के रूप में चिह्नित किया गया था। सिर्फ सात जिलों को पहले संवेदनशील के रूप में चिह्नित किया गया था। ये जिले बीरभूम, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, हुगली, मुर्शिदाबाद, पूर्वी मिदनापुर और जलपाईगुड़ी हैं।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक पंचायत चुनाव के लिए मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी और कांग्रेस उम्मीदवारों का एक समूह नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए बी.डी.ओ. कार्यालय की ओर जा रहे थे। इसी दौरान कुछ हमलावरों ने तीन से चार लोगों को गोली मार दी, इन्हीं में से कई लोगों की मौत हो गई। प्रदेश माकपा सचिव मोहम्मद सलीम ने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी के उम्मीदवार और समर्थक नामांकन पत्र दाखिल करने जा रहे थे तभी तृणमूल कांग्रेस के गुंडों ने अंधाधुंध गोलीबारी की। उन्होंने आरोप लगाया कि, पश्चिम बंगाल पुलिस का एक वर्ग अभी भी तृणमूल कांग्रेस के गुंडों के साथ सहयोग कर रहा है और प्रदेश चुनाव आयोग गैर-जिम्मेदार बना हुआ है। उन्होंने चेतावनी दी कि ममता सरकार को उसके प्रशासन के गैर-जिम्मेदाराना और एकतरफा रवैये की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

गौरतलब है कि, गत 13 जून को मुख्य न्यायाधीश टी.एस. शिवगणनम और न्यायमूर्ति हिरण्मय भट्टाचार्य की खंडपीठ ने एस.ई.सी. को हिंसा की आशंका के मद्देनजर कानून और व्यवस्था की स्थिति का मूल्यांकन करने और संवेदनशील जिलों के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में हिंसा देखने वाले केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को तैनात करने का आदेश दिया था। गुरुवार को एस.ई.सी. ने मुख्य न्यायाधीश की पीठ से केंद्रीय बल की तैनाती पर अपने आदेश पर पुनर्विचार करने की अपील की।

दिल्ली में सुलह वार्ता के बाद पायलट खेमे के नेता का गहलोत सरकार के खिलाफ बड़ा बयान

गहलोत सरकार के सैनिक कल्याण मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा, जो मुखर पायलट समर्थक हैं, ने कहा कि, नौजवानों की सुध नहीं ली तो सरकार आना नामुमकिन है

- **गुढ़ा ने कहा, ''नौजवान दस-दस साल तैयारी करता है पर पेपर लीक और इंटरव्यू सिस्टम से हार जाता है। अब तो इन नौजवानों को देखकर डर लगता है, क्योंकि अगले चुनाव में यही फैसला करेंगे।''**
- **गुढ़ा ने दावा किया, उनके चुनाव क्षेत्र में गत दो माह में बेरोजगारी के कारण 30 युवाओं ने जान दी है।**
- **उन्होंने कहा, सरकार गरीबों, बीमारों, दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए चाहे जो करे पर नौजवानों की भी सुध ले, उन्हें प्रति माह 20,000 रू. बेरोजगारी भत्ता दिया जाना चाहिए।**

झुंझुनूं, 15 जून (निसं)। झुंझुनूं के उदयपुरवाटी से विधायक एवं सैनिक कल्याण मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने अपने बयान से अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया है। आर.पी.एस.सी. पर बड़ा आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा है कि, आर.पी.एस.सी. के रवैये और खराब ढांचे के कारण नौकरी की आस देख रहे युवा अपनी जान दे रहे हैं।

उदयपुरवाटी में पत्रकारों से बातचीत करते हुए राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने कहा कि, राजस्थान का नौजवान परेशान है। उदयपुरवाटी विधानसभा में दो महीनों में 30 युवाओं ने जान दे दी है। सुसाइड केवल बेरोजगारी के कारण हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि, हमारी सरकार चाहे बी.पी.एल., बुजुर्गों, दिव्यांगों, बीमारों के लिए कुछ भी करे, लेकिन, नौजवानों के लिए भी करना चाहिए। हर बेरोजगार को 20 हजार रूपए मासिक बेरोजगारी भत्ता दिया जाना चाहिए।

उन्होंने इस मौके पर कहा कि, रोज पेपर लीक हो जाते हैं, आर.पी.एस.सी. सदस्य और बाकी लोगों के बारे में सब जानते हैं। सचिन पायलट ने आर.पी.एस.सी. पुर्नगठन की बात कही है। पायलट ने कहा है कि, दो-तीन साल तक नौजवान नौकरी के लिए भटकता है और फिर पेपर लीक हो जाते हैं। लेकिन मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि 10-10 साल तक नौजवान कॉम्पटीशन की तैयारी करता है, नौकरी की आस रखता है, फिर पेपर लीक और इंटरव्यू सिस्टम से हार जाता है। इसलिए आर.पी.एस.सी. के रवैये और खराब ढांचे के कारण युवा सुसाइड कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि, आने वाले चुनावों में 18 से 36 साल के युवा चुनाव का फैसला करेंगे। यदि नौजवानों की परेशानियों को दूर नहीं किया तो आने वाले समय में सभी को पता चल जाएगा।

गुढ़ा ने कहा कि, युवा कॉम्पटीशन की तैयारी में बैग लटकाए घूमते हैं, जब भी उन्हें देखते हैं तो डर लगता है। क्योंकि सरकार के खिलाफ वे गुस्से में हैं और सरकार बनाने का फैसला वो ही करने वाले हैं।

कहा जा रहा है कि, गुढ़ा इन दिनों पायलट खेमे में हैं और लगातार सरकार के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। दिल्ली में पायलट-गहलोत की सुलह बैठक के बाद, पायलट खेमे की तरफ से किसी नेता का यह सबसे बड़ा बयान है, जिसमें अप्रत्यक्ष रूप से नौजवानों की बात कहते हुए गुढ़ा कह रहे हैं कि, यदि नौजवानों की सुध नहीं ली गई तो सरकार आना मुश्किल क्या, नामुमकिन है।

ज्ञातव्य है कि, कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, कई बार नेताओं को सरकार विरोधी बयानबाजी ना करने के लिए निवेदन कर चुके हैं और सख्त लहजे में चेता भी चुके हैं। लेकिन, यहां पर रंधावा को भी कांग्रेस के नेता सीरियस तरीके से नहीं ले रहे हैं। बहरहाल, देखने वाली बात यह होगी कि गुढ़ा के इस बयान पर अब क्या होता है।

गुजरात भाजपा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनावों में प्रमुख राज्यों का चुनाव प्रबंधन देखने के लिए चुना है। इनमें उत्तर प्रदेश भी शामिल है। प्रधानमंत्री के चुनाव क्षेत्र वाराणसी के माइक्रो मैनेजमैंट में उनकी बड़ी भूमिका रही है, उसी दौरान मोदी की उन पर नजर पड़ी थी।

संभावना है कि मोदी की इच्छानुसार उन्हें उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाया जा सकता है। उनका गुजरात में शानदार रिकॉर्ड है जहां पार्टी ने 182 में से 156 सीटें जीती थी और वोट प्रतिशत भी 49 प्रतिशत से बढ़कर 53 प्रतिशत हो गया।

मोदी ने खुद पाटिल की प्रशंसा की और भाजपा नेताओं व सांसदों से कहा कि अन्य राज्यों में चुनाव रणनीति बनाने के लिए पाटिल मॉडल अपनाएं।

मोदी की गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ओर संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष से चर्चा के बाद निर्णय लिया गया है कि यूपी ही नहीं बल्कि मध्यप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, तेलंगाना और ओडिशा जैसे राज्यों का चुनाव प्रबंधन पाटिल को सौंपा जाए।

पाटिल मोदी की उच्चस्तरीय टीम में शामिल हो सकते है और पार्टी को चुनाव अभियान देखने के लिए उन्हें केन्द्र में मंत्री भी बनाया जा सकता है।

आप पार्टी ने राजस्थान व एम.पी चुनावों में कांग्रेस को बड़ा ऑफर दिया

- **आप पार्टी के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा, कांग्रेस दिल्ली और पंजाब छोड़ दे तो, हम राजस्थान और मध्यप्रदेश में चुनाव नहीं लडेंगे।**

नई दिल्ली, 15 जून। आम आदमी पार्टी (आप) के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कांग्रेस को बड़ा ऑफर दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अगर पंजाब और दिल्ली में चुनाव नहीं लड़ती है तो आप पार्टी भी राजस्थान और मध्य प्रदेश में इलेक्शन नहीं लड़ेगी। जब सौरभ भारद्वाज से पूछा गया कि कहा जा रहा है कि मध्यप्रदेश और राजस्थान में आम आदमी पार्टी चुनाव लड़ेगी, वहां कांग्रेस को नुकसान पहुंचाएगी। अगर दोनों पार्टियां एक-दूसरे के वोट काटेंगी, तो एक साथ आने का क्या मतलब है। इसके जवाब में आप के मंत्री ने कहा कि 2015 और 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीरो सीट आई थी, लेकिन इसके बाद भी कांग्रेस यहां से चुनाव लड़ती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अगर ये कह दे कि वह पंजाब और दिल्ली में चुनाव नहीं लड़ेगी, तो हम भी राजस्थान और मध्य प्रदेश में हम भी चुनाव नहीं लड़ेंगे।

आप के मंत्री ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि इस पार्टी में न सिर्फ लीडरशिप का क्राइसिस है, बल्कि आइडिया का भी क्राइसिस है। कांग्रेस का लोगों से जुडाव इस तरीके से खत्म हो गया है कि उन्हें ये तक नहीं पता कि जनता क्या चाहती है। उन्होंने कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी अब देश की सबसे नई पार्टी से आइडिया और मैनीफेस्टो तक चुराने लगी है। क्योंकि अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि सारे मैनीफेस्टो झूठे होते है, इसलिए हमने इसे गारंटी कहा अब कांग्रेस ने इस शब्द गारंटी तक को चुरा लिया है।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जब आप पार्टी पहली बार यह बात लेकर आई कि, दिल्ली में हम 200 यूनिट बिजली मुफ्त देंगे और 400 यूनिट तक आधे दाम पर लोगों को बिजली देंगे।

'हिंसा ग्रस्त ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कूकी आदिवासियों को खत्म करने के साम्प्रदायिक एजेंडा पर चल रहे हैं। आई.ए. में कहा गया है कि सशस्त्र साम्प्रदायिक संगठन कुकी आदिवासियों का सफाया कर रहे हैं। उन्होंने अदालत से प्रार्थना की कि भारतीय सेना के माध्यम से इस जनजाति को संरक्षण प्रदान किया जाये क्योंकि सरकार और उसकी पुलिस से आदिवासियों का विश्वास उठ गया है। संगठन ने दलील दी कि पिछली सुनवाई में, सॉलिसिटर जनरल द्वारा दिये गये आश्वासनों के बावजूद, अभी तक कोई राहत प्रदान नहीं की गई है। फोरम ने आई.ए. में कहा है कि, ''इन आश्वासनों के दिये जाने के बाद, 81 कुकी आदिवासी मार दिये गये, 237 चर्च तथा 73 प्रशासकीय भवन/क्वार्टर जला दिये गये, 141 गाँव तबाह कर दिये गये तथा 31,410 कुकी अपने घरों से दूसरी जगह चले गए। अब सत्ता के आश्वासन किसी काम के नहीं रहे हैं। ये आश्वासन नितांत गैर गंभीर है, तथा इनकी क्रियान्विति तो सरकार का उद्देश्य ही नहीं है। फोरम ने केन्द्रीय गृह मंत्री द्वारा दिये गये आश्वासन को लेकर भी निराशा प्रकट की।

विमान का पिछला हिस्सा जमीन से टकराया

- **अहमदाबाद में लैण्डिंग के वक्त इंडिगो एयरलाइन्स का विमान हादसे का शिकार होते बाल-बाल बच गया। इंडिगो एयरलाइन्स के साथ एक हफ्ते में इस तरह की यह दूसरी दुर्घटना है।**

नई दिल्ली, 15 जून। इंडिगो की एक फ्लाइट को गुरुवार (15 जून) को गुजरात के अहमदाबाद में लैंडिंग के दौरान टेल स्ट्राइक का सामना करना पड़ा। फ्लाइट बेंगलुरु से अहमदाबाद जा रही थी। इस फ्लाइट को सुरक्षित रूप से उतारा गया है और ग्राउंडेड घोषित किया गया है। फ्लाइट में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। इंडिगो ने मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। इंडिगो ने अपने बयान में कहा कि बेंगलुरु से अहमदाबाद जा रही इंडिगो की फ्लाइट अहमदाबाद में उतरते समय टेल स्ट्राइक का शिकार हो गई। आवश्यक आंकलन और मरम्मत के लिए विमान को अहमदाबाद हवाई अड्डे पर ग्राउंडेड घोषित कर दिया गया। एयरलाइंस ने कहा कि संबंधित अधिकारियों की ओर से घटना की जांच की जा रही है।

इससे पहले 11 जून को दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान इंडिगो के एक प्लेन का पिछला हिस्सा जमीन से टकरा गया था। डी.जी.सी.ए. ने कहा है कि हादसे के बाद विमान की उड़ान पर रोक लगा दी गई है और घटना की जांच की जा रही है। कोलकाता से आया प्लेन दिल्ली एयरपोर्ट पर लैण्ड कर रहा था। इंडिगो का विमान 321-252 एयरक्राफ्ट फ्लाइट संख्या- 6-6183 की उड़ान पर कोलकाता से दिल्ली आ रहा था।

''कैंसलेशन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हस्तक्षेप के बाद, दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण सिंह के खिलाफ पोक्सो केस दर्ज किया था।

पहलवान, सिंह के खिलाफ फर्स्ट इन्फॉर्मेशन रिपोर्ट (एफ.आई.आर.) दर्ज कराये जाने की मांग करने के लिये दिल्ली के राउज़ अवेन्यू डिस्ट्रिक्ट के एक मैजिस्टीरियल कोर्ट में भी गये थे।

स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर अतुल श्रीवास्तव ने कहा कि पुलिस ने इंडियन पेनल कोड (आई.पी.सी.) की धाराओं 354 (आउटरेजिंग मॉडेस्टी), 354 ए (सैक्सुअली कलर्ड रिमार्क्स), 354 डी (स्टॉकिंग) तथा 506 (1) (क्रिमिनल इन्टिमिडेशन) के तहत आरोप पत्र पेश किया है। लेकिन उन्होंने कहा कि नाबालिग पहलवान द्वारा सिंह के खिलाफ लगाये गये आरोपों को वापस लिये जाने को ध्यान में रखते हुये, पुलिस ने प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेन्सेज (पी.ओ.सी.एस.ओ.-पोक्सो) एक्ट के तहत अपराधों के सिलसिले में दर्ज किये गये केसों में कैन्सिलेशन रिपोर्ट पेश कर दी है अर्थात नाबालिग पहलवान का केस रद्द करने की सिफारिश की है।

गुजरात तट से टकराया सायक्लोन बिपरजॉय, 125 कि.मी. की रफ्तार से हवायें चली

आठ राज्यों में अलर्ट जारी किया गया, गुजरात में सायक्लोन के कारण पेड़ व बिजली के पोल उखड़े, कई इलाकों में बिजली काटी गई

- **गुजरात (कच्छ) के तटीय इलाकों से एक लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है।**
- **सायक्लोन बिपरजॉय के खतरे को देखते हुए, केंद्र से लेकर राज्य सरकार तक, सब अलर्ट मोड पर हैं। गुजरात में एन.डी.आर.एफ. की 17 टीमें और एस.डी.आर.एफ. की 12 टीमें तैनात हैं। वहीं, नौसेना के 4 जहाज स्टैंडबाय पर रखे गए हैं।**

नई दिल्ली, 15 जून। सायक्लोन बिपरजॉय गुरुवार शाम को गुजरात पहुंच चुका है। सौराष्ट्र तट पर सायक्लोन का लैण्डफॉल भी शुरू हो चुका है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि, आधी रात तक लैण्डफॉल प्रक्रिया जारी रहेगी। सायक्लोन के कारण गुजरात के तटीय इलाकों में बेहद तेज हवाएं चलनी शुरु हो गईं। गुजरात (कच्छ) के तटीय इलाकों से एक लाख लोगों को तट के किनारे से निकाल सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। मछुआरों को समुद्र में ना जाने की सलाह दी गई है। साबरमती रिवर फ्रंट और द्वारकाधीश मंदिर को बंद कर दिया गया। यह सायक्लोन कच्छ और पाकिस्तान के सिंध के तट से टकराएगा। बीते 60 सालों में यह तीसरा तूफान है, सायक्लोन बिपरजॉय जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, इसका असर तेज होता दिखाई दे रहा है। सायक्लोन बिपरजॉय के 15 जून से तबाही मचाने की आशंका के बीच 8 राज्यों में अलर्ट जारी किया गया है। नेवी, एयरफोर्स, सेना, एन.डी.आर.एफ. समेत तमाम सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

सायक्लोन के कारण कच्छ के तटीय इलाकों में 115-125 कि.मी. प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रहीं थीं। गुरुवार शाम को सौराष्ट्र के सभी इलाकों में भारी बारिश भी हुई। मौसम विभाग के मुताबिक मध्य रात्रि तक लैंडफॉल जारी रहेगा। इसके बाद सायक्लोन थोड़ा कमजोर होकर राजस्थान की ओर मुड़ जाएगा। सायक्लोन के कारण दिल्ली, उत्तर प्रदेश व राजस्थान सहित देश के कई हिस्सों में बारिश की संभावना है। हालांकि, उससे पहले कच्छ, जामनगर और द्वारका में तेज हवाओं के चलते इलेक्ट्रिक पोल्स और पेड़ों के गिरने की तस्वीरें सामने आई है। चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के खतरे को लेकर केंद्र से लेकर राज्य सरकार तक सब अलर्ट पर हैं। गुजरात में एन.डी.आर.एफ. की 17 टीमें और एस.डी.आर.एफ. की 12 टीमें तैनात हैं। वहीं, नौसेना के 4 जहाज अभी स्टैंडबाय में रखे गए हैं।

एक साल में चीन में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आज भी है।

युवा वर्ग कह रहा है कि उनकी पीढ़ी आखिरी है। वे स्वतंत्र समाज में नहीं रह सकते है। ये युवा लोग ऐसे प्रतिबंधित समाज में अपने बच्चों का पालन-पोषण नहीं करना चाहते है।

युवा महिलाओं के शादी से विमुख होने का एक बड़ा कारण यह बताया जा रहा है कि पारम्परिक चीनी समाज में अभी भी महिलाओं से एक आज्ञाकारी पत्नी की भूमिका निभाने की उम्मीद की जाती है और युवा महिलाएं इसे सहने को तैयार नहीं है। वे अविवाहित रह कर करियर और नए अवसर तलाश करना ज्यादा पसंद करती हैं।

चीन के आर्थिक विकास के कारण महिलाओं के लिए भी करियर के नए दरवाजे खुल गए हैं। इस तरह की नौकरियों से उन्हें ऐसा आरामदायक जीवन जीने का अवसर मिलता है जिसमें पारिवारिक मांगों के आगे सिर झुकाने की जरुरत नहीं होती है। चीन के समाज में स्त्री-पुरुष के भेद में तेजी से कमी आई हैं। युवा महिलाएं स्वयं को ज्यादा सशक्त महसूस करने लगी हैं।

लेकिन इन सभी सामाजिक परिवर्तनों को देखें तो इस बात से इंकार नहीं है कि बढ़ती युवा बेरोजगारी की वजह से ये बदलाव हो रहे हैं।

शादी में कमी आने का बड़ा कारण है युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी जो 20 प्रतिशत हो गई है। इसके अलावा उपलब्ध रोज़गार और उससे जुड़ी आकांक्षाओं में भी भारी अंतर है। भारी बेरोजगारी का असर कई क्षेत्रों में दिख रहा है, इसका एक असर है धर्म के प्रति बढ़ता रूझान।

खबरें हैं कि ज्यादा से ज्यादा युवा वर्ग बौद्ध वताओ मंदिरों में जा रहे है तथा करियर व अच्छे भविष्य के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

घबराइये नहीं, हवाई यात्रा के दौरान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुद्दा भी बहुत महत्वपूर्ण हो गया है बाजारों के 4700 यात्रियों के सर्वे में पता चला कि 87 प्रतिशत यात्री मानते हैं कि हवाई यात्रा क्रिटिकल है और हमें हवाई जहाज यात्रा का ऐसा तरीका ढूंढना होगा कि यात्रा बिना बाधा के पूरी हो, सर्वे में शामिल 88 प्रतिशत यात्रियों ने कहा कि हवाई यात्रा का समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है वहाँ 82 प्रतिशत ने माना कि यू.एन. के सतत विकास लक्ष्यों में उड्डयन का महत्वपूर्ण योगदान है। सर्वे के अनुसार 91 प्रतिशत हवाई यात्रा को आधुनिक जरूरत मानते है और 81 प्रतिशत यात्री महामारी से पूर्व के दिनों की तुलना से आज के दौर में ज्यादा हवाई यात्रा करने की सुविधा दिए जाने की सराहना करते है।

मास्क की अनिवार्यता खत्म होने के बाद यात्रियों की बात नहीं मानने की घटनाएं कम हो गई थीं पर वर्ष 2022 में ऐसी घटनाओं में फिर से वृद्धि हुई है। अवज्ञा करने के सबसे आम उदाहरण थे:

* सिगरेट, ई सिगरेट, पफ्स, वेपर का केबिन या शौचालय में इस्तेमाल।
* निर्देश दिए जाने पर भी सीट बैल्ट बांधने में भी देरी करना।
* जरूरत से ज्यादा सामान ले जाना या आवश्यकता पड़ने पर सामान स्टोर नहीं करवाना।
* विमान में शराब पीना।

आई.ए.टी.ए. कहता है कि, उद्दंड व्यवहार के प्रति ज़ीरो टॉलरैंस की जरुरत है और इसके लिए एक ''टू पिलर'' रणनीति है। इसे ऐसी घटनाओं की वृद्धि रोकने की कायदे कानून बनाए गए हैं। इसमें सरकारों से आश्वासन लिया जाता है कि वे उद्दण्ड यात्रियों पर कानूनी कार्यवाही करेंगे चाहे वे यात्री कहीं के भी हो। इसके लिए शक्तियां भी दी गई है। ऐसे अधिकारी एम.पी. 14 में है और आई.ए.टी.ए. का सभी देशों से आग्रह है कि इसे जल्द से जल्द मान्यता प्रदान करें। अभी तक 45 देशों ने इसे स्वीकार किया है। विश्व का 33 प्रतिशत हवाई यातायात इन देशों से संबंधित है।

ज़मीन पर, जैसे हवाई अड्डों, बार रैस्त्राँ, व ड्यूटी फ्री दुकानों पर, औद्योगिक पार्टनर्स के सहयोग से उद्दण्ड व्यवहार के दुष्परिणाम पर जागरुकता अभियान चलाए जा सकते हैं। आई.ए.टी.ए. केबिन क्रू को इन घटनाओं को रोकने के लिए प्रशिक्षण दिया जाए। इसने 2022 के आरंभ में नए निर्देश जारी किए थे और विभिन्न एयरलाइन्स में इन घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रयुक्त तौर तरीकों की जानकारी जुटाई और जन जागरुकता पर सरकारों को व्यवसायिक समाधान बताए जैसे तुरंत जुर्माना करना आदि।

क्लिफर्ड ने कहा कि उद्दण्डता की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए सरकारें व उद्योग ज्यादा गंभीर कदम उठा रहे है। अधिकांश देश एम.पी. 14 को मान्यता दे रहे हैं और कानून क्रियान्वयन के तरीके पर ध्यान दे रहे हैं और स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि अब सरकारें उद्दण्ड लोगों पर मुकदमा चलाने को तत्पर है।

उद्योगों के स्तर पर भी ज्यादा सहयोग की जरुरत है क्योंकि दुव्यर्वहार की अधिकांश घटनाएं उड़ान से पहले शराब पीने से होती है। एयरपोर्ट की बार व रैस्त्रां की मदद से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि यात्री ज्यादा शराब ना लें। क्लिफर्ड ने कहा कि कोई भी यात्रियों को मौज मजा करने से रोकना नहीं चाहता पर हम सब की जिम्मेवारी है कि वे अन्य यात्रियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार हो। बहुत के लिए हम ऐसे चंद यात्रियों पर कार्यवाही करने से नहीं हिचकेंगे जो हर किसी के लिए परेशानी पैदा करते हैं।

राहुल गांधी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उचित खाका उपलब्ध नहीं है।

खड़गे टीम, 2024 बनाना चाहते हैं लेकिन गांधी परिवार की सहमति/स्वीकृति के बिना ऐसा करना मुश्किल है। कुल मिलाकर, राहुल के विदेश से लौटने पर ही कुछ जवाब मिल सकते हैं।

यूनिफॉर्म सिविल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने ही की थी, ने ''कन्सल्टेशन पेपर ऑन रिफॉर्म ऑफ फैमिली लॉ'' के पृष्ठ 182 पैरा 1.15 में स्वयं ही उपरोक्त बात कही थी। आयोग ने अपनी यह रिपोर्ट 31 अगस्त, 2018 को प्रस्तुत की थी।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने आगे कहा, ''जहां भारतीय संस्कृति की विविधता का गुणगान किया जाना चाहिये, वहीं समाज के विशिष्ट या कमजोर वर्गों से उनके विशेषाधिकार इस प्रक्रिया से छीने नहीं जाने चाहिये। इस द्वंद्व के समाधान का अर्थ सभी अन्तरों को समाप्त कर देना नहीं है।

इसीलिये उस आयोग ने समान नागरिक संहिता, जो इस स्थिति में न तो आवश्यक है और न वांछनीय, उपलब्ध कराने के बजाय, उन कानूनों पर विचार करना उचित समझा था, जो भेदभावपूर्ण हैं। ज्यादातर देश अब अन्तर को मान्यता देने की दिशा में बढ़ रहे हैं तथा अन्तरों के अस्तित्व मात्र का अर्थ भेदभाव नहीं होता है, बल्कि ये तो सुदृढ़ लोकतंत्र के परिचायक होते हैं।''

''विधि आयोग ने पिछले दशकों में राष्ट्रीय महत्व के अनगिनत मुद्दों पर ईर्ष्या करने योग्य काम किया है।

इस (आयोग का) को उस विरासत को ध्यान में रखना चाहिये तथा याद रखना चाहिये कि राष्ट्र का हित भाजपा की राजनैतिक महत्वकांक्षाओं से प्रथक चीज है।''

22वें लॉ कमीशन ऑफ इंडिया ने बुधवार को एक नोटिस जारी करके इस विषय पर जनात एवं धार्मिक संगठनों के विचार मांगे हैं। नोटिस में कहा गया है कि इच्छुक तथा इस विषय में रूचि रखने वाले लोग और संगठन अपने विचार 30 दिन के अंदर प्रस्तुत कर सकते हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600